Import of Equipments from Russia for Bokaro Steel Plant

*415 SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether equipments for the Bokaro Steel Plant are sought for to be imported from Russia because of the continuing failure of the Heavy Engineering Corporation, Ranchi ; and

(b) if so, the cost of the proposed imports from Russia ?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI MOHAN KUMARAMANGALAM) : (a) and (b). A proposal has been recently made by Heavy Engineering Corporation Ltd., Ranchi, for import from the U.S.S.R. of about 5000 tonnes of certain completing items valued at about Rs. 750 lakhs for the manufacture of equipment for Bokaro Steel Plant. The details of the items and quantities are under negotiation with the USSR authorities.

Of the items proposed for imports, 1125 tonnes are bogies, which have to be imported due to non-availability from the private sector. The balance quantity is required to be imported to avoid delay in the construction schedule of Bokaro due to the inability of HEC, and some of its suppliers of castings and forgings, to adhere to their delivery schedules.

Personnel Requirements of Supply Missions in U.K. and U.S.A.

*416. SHRI C. CHITTIBABU : Will the Minister of SUPPLY be pleased to state :

(a) whether the study regarding the personnel requirement of Supply Missions in U.K. and U.S.A. has been completed ;

(b) if so, the result of the study ; and

(c) what follow-up action has been taken to reduce the staff in these Missions ?

THE MINISTER OF SUPPLY (SHRI D. R. CHAVAN) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c). The strength of I.S.M., London is being reduced from 200 to 169 and that of I.S.M., Washington is being reduced from 111 to 101.

विश्व बैंक के एक दल द्वारा महाराष्ट्र में भूमिगत जल का सर्वेक्षण

417. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडे** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विश्व बैंक के एक दल ने महाराष्ट्र में 63 करोड़ रुपये की लागत वाली एक योजना के सम्बन्ध में भूमिगत जल का सर्वेक्षण किया है ;

(ख) यदि हां तो उसके क्या परिणाम निकले हैं ;

(ग) क्या सरकार का विचार यह सुविधा अन्य राज्यों को भी देने का है ; और

(घ) यदि हां, तो यह सुविधा किस प्रकार दी जायेगी ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णा साहिब पी० शिंदे) : (क) विश्व बैंक के एक दल ने महाराष्ट्र राज्य में भूमिगत जल संसाधनों और भूमि के विकास और फार्मों के यन्त्रीकरण के विकास के लिए 62.14 करोड़ रुपये की एक संयुक्त कृषि ऋण परियोजना का मूल्यांकन करने के लिए मार्च-अप्रैल 1971 में भारत का दौरा किया ।

(ख) दल की रिपोर्ट की प्रतीक्षा है ।

(ग) और (घ). विश्व बैंक गुजरात, पंजाब, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु तथा हरियाणा प्रदेशों में कृषि ऋण परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने को सहमत है । विश्व बैंक द्वारा मैसूर राज्य की परियोजना का मूल्यांकन कर लिया गया है तथा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार राज्यों की परियोजनाओं का मूल्यांकन तैयार किया जा रहा है ।